आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 13.02.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश सरकार ने राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए पेंशन में बढ़ोतरी की।
- रुद्रप्रयाग जिले की ग्राम पंचायत ग्वेफड़ में जल जीवन मिशन के तहत निर्मित ग्वेफड़ पेयजल योजना के पूरा होने पर जल अर्पण दिवस मनाया गया।
- औषधीय गुणों से भरपूर आमील से उत्तरकाशी जिले के ग्रामीणों की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।
- बागेश्वर में लखपति दीदी योजना के अंतर्गत चयनित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए कार्यशाला का आयोजन।

पें□ान बढ़ोतरी

प्रदेश सरकार ने राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों के सम्मान व कल्याण के लिए पेंशन बढ़ाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर राज्य सरकार ने विभिन्न श्रेणियों में दी जा रही पेंशन राशि में वृद्धि को स्वीकृति प्रदान की है। इसके तहत राज्य आंदोलन के दौरान सात दिन जेल गए या घायल हुए आंदोलनकारियों की मासिक पेंशन छह हजार से बढ़ाकर सात हजार रुपए कर दी गई है। इसी प्रकार, जेल गये या घायल श्रेणी से भिन्न अन्य राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन साढ़े चार हजार से बढ़ाकर साढ़े पांच हजार रुपए प्रतिमाह कर की गई है। इसके अतिरिक्त राज्य आंदोलन के दौरान गंभीर रूप से घायल और पूर्णतः शय्याग्रस्त आंदोलनकारियों की विशेष पेंशन 20 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपए प्रतिमाह की गई है। वहीं, राज्य आंदोलन में बलिदानी आंदोलनकारियों के आश्रितों की पेंशन तीन हजार से बढ़ाकर साढ़े पांच हजार रुपए प्रतिमाह कर दी गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारियों का त्याग और बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उनके सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक–आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। श्री धामी ने कहा कि यह निर्णय आंदोलनकारियों और उनके परिवारों के प्रति सरकार की कृतज्ञता का प्रतीक है।

जल अर्पण दिवस

रुद्रप्रयाग जिले में अगस्त्यमुनि विकासखंड की ग्राम पंचायत ग्वेफड़ में जल जीवन मिशन के तहत निर्मित ग्वेफड़ पेयजल योजना के पूरा होने पर जल अर्पण दिवस मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विधायक भरत सिंह चौधरी ने ग्राम प्रधान और ग्रामीण पेयजल व स्वच्छता समिति की अध्यक्ष लीला सिंह बिष्ट को हर घर नल–हर घर जल प्रमाणीकरण प्रमाण–पत्र प्रदान किया और योजना को ग्रामसभा को औपचारिक रूप से समर्पित किया। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है और यह उपलब्धि ग्रामवासियों की सहभागिता से ही संभव हुई है।

कार्यक्रम में उत्तराखण्ड जल संस्थान के अधिकारियों ने योजना की रूपरेखा और रख–रखाव की जानकारी दी। वहीं, जल संरक्षण के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने के लिए राजकीय इंटर कॉलेज ग्वेफड़ के विद्यार्थियों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने रैली भी निकाली। इस मौके पर ग्रामीण पेयजल व स्वच्छता समिति की पांच महिलाओं को पेयजल गुणवत्ता जांच के लिए फील्ड टेस्ट किट वितरित की गई और उसके उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया।

मानसखंड मंदिर माला

पिथौरागढ़ कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने मानस खंड मंदिर माला योजना के तहत धार्मिक स्थलों के विकास कार्यों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने मंदिरों में स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और संपर्क मार्गों का कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने हाट कालिका में पार्किंग और शेष निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के साथ ही पाताल भुवनेश्वर गुफा मंदिर में सीसीटीवी, संकेतक बोर्ड और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के सभी धार्मिक स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त आध्यात्मिक–पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जाएगा। बैठक में हाट कालिका, पाताल भुवनेश्वर, थलकेदार और मोस्टमानू सहित विभिन्न मंदिर समितियों के पदाधिकारी और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आमील

उत्तरकाशी जिले के हर्षिल घाटी और गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र में उगने वाले औषधीय गुणों से भरपूर आमील से जिले के वाइब्रेंट विलेज के ग्रामीणों की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इस दिशा में शासन ने स्थानीय उत्पादों पर कार्य कर रही तीन फर्मों के साथ लेटर ऑफ इंट्रेस्ट पर हस्ताक्षर किए हैं। ये फर्म आमील के उत्पादन, प्रोसेसिंग, विपणन और ब्रांडिंग में तकनीकी सहयोग देंगी। आमील का उपयोग स्थानीय लोग जूस और चटनी बनाने में करते हैं। इसके औषधीय गुणों में ब्लड प्रेशर नियंत्रित करना, हृदय और त्वचा संबंधी रोगों में लाभ और गैस व पाचन समस्याओं में मदद शामिल है। ग्रामोत्थान परियोजना प्रबंधक कपिल उपाध्याय ने बताया कि इन फर्मों की मदद से आमील के जूस, चटनी और जैम जैसे उत्पादों को हिलांश ब्रांडिंग के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा। यह पहल ग्रामीणों को रोजगार और आय बढ़ाने में सहायक साबित होगी।

कार्य□ाला

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से संचालित लखपति दीदी योजना के अंतर्गत चयनित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए बागेश्वर में कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान आधुनिक कृषि और तकनीक पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों को ड्रोन संचालन वं मरम्मत, कृषि व्यवसाय, बागवानी, जलीय कृषि, जैविक खेती तथा पशुधन प्रबंधन से संबंधित जानकारी दी गई। साथ ही मूल्य श्रृंखला के माध्यम से उत्पादों को बाजार से जोड़ने की प्रक्रिया समझाई गई। ब्लॉक मिशन प्रबंधक हरेंद्र बिष्ट ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को स्थायी आय के अवसरों से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के माध्यम से महिलाओं को आधुनिक तकनीक और वित्तीय प्रबंधन की जानकारी देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

सामुदायिक कार्यकर्ता आशा खेतवाल ने कहा कि इस पहल से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे स्वरोजगार के नए अवसरों को अपनाने के लिए आगे आ रही हैं।

समाज कल्याण

वित्तीय वर्ष 2025–26 में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं के भौतिक सत्यापन की प्रगति की समीक्षा के लिए देहरादून के मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों को सत्यापन कार्य समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिये कि अवशेष 18 विद्यालय से 16 फरवरी तक शत–प्रतिशत छात्रों का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, जिससे पात्र छात्र–छात्राओं को समय पर योजनाओं का लाभ दिया जा सके।

मादक पदार्थ

उत्तरकाशी जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने संबंधित विभागों को समन्वित रूप से प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में भांग और अफीम की अवैध खेती को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को मादक पदार्थों की बिक्री, भंडारण और परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात भी कही।